## त्रयोदशः पाठः

# लालनगीतम्

उदिते सूर्ये धरणी विहसति ।
पक्षी कूजति कमलं विकसति ।।1।।

  नदति मन्दिरे उच्चैर्ढक्का ।
  सरितः सलिले सेलति नौका ।।2।।

पुष्पे पुष्पे नानारङ्गाः ।
तेषु डयन्ते चित्रपतङ्गाः ।।3।।

  वृक्षे वृक्षे नूतनपत्रम् ।
  विविधैर्वर्णैर्विभाति चित्रम् ।।4।।

धेनुः प्रातर्यच्छति दुग्धम् ।
शुद्धं स्वच्छं मधुरं स्निग्धम् ।।5।।

  गहने विपिने व्याघ्रो गर्जति ।
  उच्चैस्तत्र च सिंहः नर्दति ।।6।।

हरिणोऽयं खादति नवघासम् ।
सर्वत्र च पश्यति सविलासम् ।।7।।

  उष्ट्रः तुङ्गः मन्दं गच्छति ।
  पृष्ठे प्रचुरं भारं निवहति ।।8।।

घोटकराजः क्षिप्रं धावति ।
धावनसमये किमपि न खादति ।।9।।

  पश्यत भल्लुकमिमं करालम् ।
  नृत्यति थथथै कुरु करतालम् ।।10।।

–सम्पदानन्दमिश्रः

© NCERT not to be republished

## शब्दार्थाः

| | | | |
|---|---|---|---|
| उदिते | – | उगने पर, निकलने पर | on the rise |
| नदति | – | आवाज/ध्वनि करता है | rings |
| उच्चैः | – | ऊँची आवाज में, जोर से | loudly |
| ढक्का | – | नगाड़ा | drum |
| सेलति | – | डगमगाती है, हिलती डुलती है | shakes |
| डयन्ते | – | उड़ते हैं | fly |
| चित्रपतङ्गाः | – | तितलियाँ | butterflies |
| वर्णैः | – | रंगो से | with colours |
| विभाति | – | सुशोभित होता है | shines |
| स्निग्धम् | – | मुलायम, चिकना | soft |
| गहने | – | घने | dense |
| विपिने | – | जंगल में | in forest |
| नर्दति | – | दहाड़ता है | roars |
| तुङ्गः | – | ऊँचा | lofty, high |
| निवहति | – | ढोता है | carries |
| क्षिप्रम् | – | जल्दी से, तेजी से | swiftly |
| भल्लुकः | – | भालू | bear |
| करालम् | – | भयानक | ferocious |
| करतालम् | – | ताली | clapping |

© NCERT not to be republished

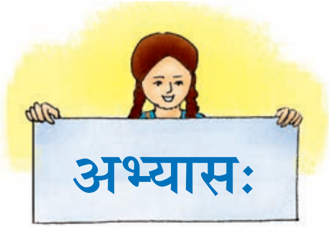


**1.** **गीतम् सस्वरं गायत।**

**2.** **एकपदेन उत्तरत-**

(क) का विहसति?

(ख) किम् विकसति?

(ग) व्याघ्रः कुत्र गर्जति?

(घ) हरिणः किं खादति?

(ङ) मन्दं कः गच्छति?

**3.** **रेखाङ्कितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत-**

(क) सलिले नौका सेलति।

(ख) पुष्पेषु चित्रपतङ्गाः डयन्ते।

(ग) उष्ट्रः पृष्ठे भारं वहति।

(घ) धावनसमये अश्वः किमपि न खादति।

(ङ) सूर्ये उदिते धरणी विहसति।

**4.** **मञ्जूषातः समानार्थकपदानि चित्वा लिखत-**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| पृथिवी | देवालये | जले | वने | मृगः | भयङ्करम् |

| | | | |
|---|---|---|---|
| धरणी | ...................... | विपिने | ...................... |
| करालम् | ...................... | हरिणः | ...................... |
| सलिले | ...................... | मन्दिरे | ...................... |

© NCERT not to be republished



Reprint 2024-25

## 5. विलोमपदानि मेलयत-

| | |
|---|---|
| मन्दम् | नूतनम् |
| नीचैः | स्निग्धम् |
| कठोरः | पर्याप्तम् |
| पुरातनम् | उच्चैः |
| अपर्याप्तम् | क्षिप्रम् |

## 6. उचितकथनानां समक्षम् 'आम्' अनुचितकथनानां समक्षं 'न' इति लिखत-

(क) धावनसमये अश्वः खादति। ☐

(ख) उष्ट्रः पृष्ठे भारं न वहति। ☐

(ग) सिंहः नीचैः क्रोशति। ☐

(घ) पुष्पेषु चित्रपतङ्गाः डयन्ते। ☐

(ङ) वने व्याघ्रः गर्जति। ☐

(च) हरिणः नवघासम् न खादति। ☐

## 7. अधोलिखितानि पदानि निर्देशानुसारं परिवर्तयत-

| | | | |
|---|---|---|---|
| यथा- चित्रपतङ्गः | (प्रथमा-बहुवचने) | - | चित्रपतङ्गाः |
| भल्लुकः | (तृतीया-एकवचने) | - | .................... |
| उष्ट्रः | (पञ्चमी-द्विवचने) | - | .................... |
| हरिणः | (सप्तमी-बहुवचने) | - | .................... |
| व्याघ्रः | (द्वितीया-एकवचने) | - | .................... |
| घोटकराजः | (सम्बोधन-एकवचने) | - | .................... |

© NCERT not to be republished

**8. चित्रं दृष्ट्वा मञ्जूषातः पदानि च प्रयुज्य वाक्यानि रचयत-**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| खगाः | विकसन्ति | कमलानि | उदेति | क्रीडन्ति |
| डयन्ते | सूर्यः | चित्रपतङ्गाः | कूजन्ति | बालाः |

..............................................................................................

..............................................................................................

..............................................................................................

..............................................................................................

..............................................................................................

© NCERT not to be republished



Reprint 2024-25